Shailputri Mata Ki Aarti

|| माँ शैलपुत्री की आरती ||

शैलपुत्री मां बैल असवार|
करें देवता जय जयकार||

शिव शंकर की प्रिय भवानी|
तेरी महिमा किसी ने ना जानी||

पार्वती तू उमा कहलावे|
जो तुझे सिमरे सो सुख पावे||

ऋद्धि-सिद्धि परवान करे तू|
दया करे धनवान करे तू||

सोमवार को शिव संग प्यारी|
आरती तेरी जिसने उतारी||

उसकी सगरी आस पुजा दो|
सगरे दुख तकलीफ मिटा दो||

घी का सुंदर दीप जला के|
गोला गरी का भोग लगा के||

श्रद्धा भाव से मंत्र गाएं|
प्रेम सहित फिर शीश झुकाएं||

जय गिरिराज किशोरी अंबे|
शिव मुख चंद्र चकोरी अंबे||

मनोकामना पूर्ण कर दो|
भक्त सदा सुख संपत्ति भर दो||

InstaAstro